



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

PUBLISHED BY AUTHORITY
प्राधिकार से प्रकाशित

सं. 168] नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 5, 1994/चैत्र 15, 1916
No. 168] NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 5, 1994/CHAITRA 15, 1916

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

(आयकर)

नई दिल्ली, 29 मार्च, 1994

का. आ. 289 (अ).— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80-एल की उपधारा (1) के खण्ड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा भारतीय स्टेट बैंक द्वारा चार्ज किए गए 50,00,000 अप्रतिभूत, मोचनीय "सर्वोडिनेटेड" ग्रंथायी ब्याज दर बन्धपत्रों की उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ 1000 रु. प्रत्येक के अंकित मूल्य के वचनपत्रों के स्वरूप में विनिर्दिष्ट करता है।

[अधिसूचना सं. 9520/फा. सं. 178/86/93 आयकर नि-I]

गरत खन्नु, अवर सचिव,

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Revenue)****New Delhi, the 29 h March, 1994****NOTIFICATION****(INCOME-TAX)**

S.O. 289(E).—In exercise of the powers conferred by clause (ii) of sub-section (1) of section 80L of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies 50,00,000 unsecured, Redeemable Subordinated Floating Interest Rate Bonds in the nature of Promissory notes of face value of rupees 1000 each issued by the State Bank of India for the purpose of the said clause.

[Notification No. 9520/F. No. 178/86/93-ITA-I]

SHARAT CHANDRA, Under Secy.